

आज सतगुरु अलख दरसे देसी वीणा भजन लिरिक्स



आज सतगुरु अलख दरसे,

दोहा – जाणा है पण रेणा नहीं,
जाणा वसुआ वीसी,
दो दिनों रे कारणे,
भाई क्यों दुंदो जगदीश।

आज सतगुरु अलख दरसे,
जो नर गुरु ने सेवता हां,
शंकरया सब आगे सीमरु,
देवों पेला देवता,
हे गावीये सुंडालो स्वामी,
गवरी प्यारा नंदा हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी।bd।

सत नीचे धुड़ होवे,
अंग आपरी सोहता हां,
मोतीड़ा री माला होवे,
कोने कमंडल झलकाता,
हे गावीये सुंडालो स्वामी,
गवरी प्यारा नंदा हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी।bd।

पाँव छोटा पेट मोटा,
कनक हरी ने सोभता हा,
नाक देखे नमों बाबा,
माथे मुकुट सोहता हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी,
गवरी प्यारा नंदा हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी।bd।

माय मण्डप लोसण थापीयो,
बीज थावर दरसता हां,
नवो ने चौबीस भेलो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



हे गावीये सुंडालो स्वामी,
गवरी प्यारा नंदा हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी।bd।

जोत झंझण नुर भंजण,
आज सतगुरु दरसता हां,
स्वामी डूंगरपुरीजी बोले,
देव डूंगरपुरीजी बोले,
प्रेम से नर परगता हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी,
गवरी प्यारा नंदा हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी।bd।

आज सतगुरु अलख दरसें,
जो नर गुरु ने सेवता हां,
शंकरया सब आगे सीमरु,
देवों पेला देवता,
हे गावीये सुंडालो स्वामी,
गवरी प्यारा नंदा हा,
हे गावीये सुंडालो स्वामी।bd।

गायक – नागजी राव ।
प्रेषक – वागाराम H चौधरी भादरूणा ।
साँचौर जालोर राजस्थान 343040
फोन-9414903125
